

लिए प्रयोग में लाई गई धोती, साड़ी आदि का भाग।

मुख-चूर्ण पुं. (तत्.) मुख पर मलने का चूर्ण।

मुखज वि. (तत्.) मुख या मुँह से उत्पन्न पुं. ब्राह्मण जिसकी उत्पत्ति ब्रह्मा के मुख से हुई है।

मुखड़ा पुं. (तत्.) 1. मनुष्य का वह अंग जिसमें दोनों आँखें, नाक, कान, गला, माथा, मुँह, ठुड़ी आदि समस्त अवयव आ जाते हैं, चेहरा 2. सुंदर मुख के लिए प्रशंसा सूचक शब्द संगी. गीत में आरंभ में आने वाला मूल अंश जो हर अंतरे से पहले और अंत में गाया जाता है।

मुखतार पुं. (अर.) वह व्यक्ति जिसे किसी से विशिष्ट अवसरों पर कुछ विशेष प्रकार के काम प्रतिनिधि के रूप में करने का वैधानिक अधिकार मिलता है, कानूनी सलाहकार।

मुखतार आम पुं. (अर.) वह प्रतिनिधि जिसे किसी तरफ से सब प्रकार के कार्य विशेषतः आर्थिक या कानूनी कार्य करने का अधिकार प्राप्त हो।

मुखतारकार पुं. (अर.+फा.) कर्मचारी।

मुखतारकारी स्त्री. (अर.+फा.) 1. मुखतारकार का कार्य, पद या भाव दे. मुखतारी।

मुखतार-खास पुं. (अर.+फा.) वह जिसे किसी विशिष्ट कार्य या मुकदमे के लिए प्रतिनिधि बनाया गया हो।

मुखतारनामा पुं. (अर.+फा.) 1. एक ऐसा पत्र जिसके द्वारा आधिकारिक या वैधानिक तौर पर किसी को अपना मुखतार नियुक्त करता है 2. एक अधिकार पत्र जिसके अनुसार कोई पेशेवर मुखतार कोई मुकदमा लड़ने के लिए मुखतार के रूप में नियुक्त किया जाता है।

मुखतारी स्त्री. (अर.) 1. मुखतार अर्थात् प्रतिनिधि होने की अवस्था या भाव 2. मुखतार का पद या पेशा 3. प्रतिनिधित्व 3. एक प्रकार की कानूनी परीक्षा जिसे पारित किए जाने पर मुखतार के रूप में छोटी अदालतों में मुकदमे लड़ने का अधिकार प्राप्त होता है।

मुखताल पुं. (तद्.) गीत का पहला पद जो मूल भाव लिए होता है, टेक।

मुखदूषण पुं. (तत्.) प्याज।

मुखदूषिका स्त्री. (तत्.) मुँहासा।

मुखदूषी पुं. (तत्.) लहसुन।

मुखदेखा वि. (तत्.) दे. मुँह देखा।

मुख धावक पुं. (तत्.) वह वस्तु जो मुख के आंतरिक भागों यथा जीभ, तालु, दाँत आदि साफ करने के काम आती है।

मुख धौता स्त्री. (तत्.) 1. भारंगी 2. ब्राह्मण-यष्टिका।

मुख-पर पुं. (तत्.) 1. घूँघट 2. नकाब।

मुख-पत्र पुं. (तत्.) किसी संस्था या दल का वह पत्र जिसमें उसके सिद्धांतों, मतों या नियमों का प्रकाशन किया जाता है।

मुख-पान पुं. (तत्.) तालू के ऊपरी भाग में पान के आकार जैसा धातु का टुकड़ा जिसमें ताला लगाने के लिए छिद्र किया जाता है।

मुख-पिंड पुं. (तत्.) 1. कौर, ग्रास 2. मृत व्यक्ति के अंतिम संस्कार के दौरान दिया जाने वाले एक प्रकार का पिंड।

मुख-पूरण पुं. (तत्.) 1. मुँह साफ करने के लिए किया जाने वाला कुल्ला 2. कुल्ला करने के लिए एक बारी में मुँह में डाला जाने वाला पानी।

मुखपृष्ठ पुं. (तत्.) किसी ग्रंथ या पुस्तक का सबसे पहला या ऊपरी भाग वाला पृष्ठ जिसमें उस पुस्तक का नाम, लेखक, प्रकाशक आदि की जानकारी दी जाती है।

मुख प्रक्षालन पुं. (तत्.) मुँह धोना या साफ करना।

मुख प्रिय वि. (तत्.) स्वादिष्ट पुं. 1. नारंगी 2. ककड़ी।

मुखफफ पुं. (अर.) किसी वस्तु का लघु संक्षिप्त या ह्रस्व रूप वि. लघु या संक्षिप्त रूप में होने वाला।